अनुक्रमणिका

अ

अग्रिम धन
- का प्रतिदाय 334
- का समपहरण 334
- हेतु डिक्री 333

अग्रिमधन का प्रतिदाय
- के वैकल्पिक अनुतोष की मंजूरी 305

अचल सम्पत्ति
- के विक्रय हेतु अग्रिम राशि की अदायगी 194
- का विक्रय करने का करार 206
- के कब्जे की प्राप्ति के लिये कार्यवाही 32
- को बेंचने का करार 192
- पर से परिवादित बेकब्जा होना चाहिए 38

अतिचार
- चल एवं अचल सम्पत्तियों पर 533
- निकाय द्वारा 535

अतिशेष प्रतिफल
- के लिये संदाय 220

अधिक्रमण
- का अभिवचन 30

अधिकार
- का अतिलंघन 498
- का तात्पर्य 465
- किस विधि के अधीन उद्भूत हो सकते हैं 436
- के रुप में विनिर्दिष्ट पालन की डिक्री नहीं 271
- कोई व्यक्ति जो किसी विधिक हैसियत का या सम्पत्ति के बारे में 437
- खण्डन का 235
- जुलूस इत्यादि का 437
- प्रतिकर की प्राप्ति संबंधी 416

अधिकार—क्रमशः
- प्रयोग की सीमाएं 437
- संविदा के विखण्डन का 375
- सम्पत्ति की कुर्की का 456
- संविदाजन्य अधिकार से उत्पन्न 438

अधिकारिता
- विनिर्दिष्ट अनुपालन के लिये वाद में डिक्री पारित करने की 158
- सिविल न्यायालय की 410

अधिशेष भूमि
- की घोषणा का आदेश 462

अधिनियम
- का प्रारम्भ 2
- जहां लागू नहीं 2

अंतर्वर्ती आज्ञापक व्यादेश
- की मंजूरी 511

अंतर्वर्ती व्यादेश
- जारी रखना 510

अंतरण का करार
- प्राइवेट कम्पनी के पारिवारिक सदस्यगण एवं शेयर धारकों के बीच 194

अंतरिम अनुतोष
- की नामंजूरी 516
- की मंजूरी 52

अंतरिम एकपक्षीय व्यादेश
- का मंजूर किया जाना 543

'अन्य अनुतोष'
- का तात्पर्य 470
- की मांग 470

अन्य अनुतोष तथा अनुवर्ती अनुतोष
- में अंतर 472

अनिश्चित करार
- शून्य है 67

अनुकल्पतः अनुतोष
का प्रतिस्थापन....344
की मंजूरी....331
प्रदान किया जाना....322
अनुकल्पतः क्षतिपूर्ति
संविदाभंग पर....322
अनुकल्पिक अभिवचन
घोषणा के वाद में....333
अनुचित लाभ
एक कला रुपी पद नहीं....289
का गठन....296
अनुतोष
अनुदत्त करने की शक्ति--कब्जा, विभाजन, अग्रिम धन के प्रतिदाय के लिये....324
अस्थायी व्यादेश का....58
अपूर्ण या असम्यक होना....78
उद्घोषणा बावत....444
का चुनाव....316
का दावा....64
का निजी रुप से अपवर्जन....197
का परिदत्त किया जाना....279
का परिदत्त किया जाना स्वविवेकिक....431
का वैयक्तिक वर्जन....179
की अभ्यर्थना....513
की ईप्सा....65
की प्रकृति....399
की मंजूरी....295
की मंजूरी का अस्तित्व....208
की मंजूरी के लिये आबद्धता....302
के संदर्भ में युक्तियुक्त आशंका....402
घोषणा एवं व्यादेश के लिये....26
न मंजूर किया जाना....410
परिशोधन सम्बंधी....357
पक्षकारों के और उनसे व्युत्पन्न पश्चात्वर्ती हक के अधीन दावा करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध....249
प्राप्ति हेतु महत्वपूर्णशर्तें....425
अनुतोष—क्रमशः
व्यक्ति के विरुद्ध....59
विभाजन का....491
विलोपन सम्बंधी....398
वैयक्तिक सेवा की संविदा प्रवृत्त कराने की....157
सद्भाविक क्रेता को पालन की....267
सम्पत्ति की विषयवस्तु तथा शर्तों के अधीन....469
हित प्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त किया जाना....75
अनुपालन
कब नहीं....145
अनुपालन की मांग
कर्तव्य....91
अनुबंधन का उल्लंघन
का प्रभाव....554
अनुवर्ती अनुतोष
अन्य अनुतोष से भिन्न....471
अपदूषण
का तात्पर्य....537
व्यादेशात्मक अनुतोष का वास्तविक आधार....536
'अपनी शक्तियों के बाहर'
की परिभाषा....96
अपील
अपीलीय न्यायालय की परिशोधन सम्बंधी शक्ति....293
की पोषणीयता....515
की प्रयोज्यता....57
अपूर्ण स्वत्व
का अभिवचन....123
रखते हुए निष्क्रांत सम्पत्ति के विक्रय की संविदा....123
संविदा की तिथि पर....121
अपूर्ण संविदा
का तात्पर्य....66

अपूर्ण संविदा—क्रमशः
की दशा में अनुपालन का वाद प्रवर्तनीय नहीं 66
अपूर्णनीय क्षति
का होना 506
अप्राप्तवय की अभिरक्षा
के लिये वाद की पोषणीयता 557
अप्राधिकृत व्यक्ति
द्वारा अंतरण 118
अभित्यजन या विबंध का सिद्धान्त
की प्रयोज्यता 222
अभिवचन
अधिक्रमण का 30
दोषपूर्ण या अपूर्ण स्वत्व का 123
अभिवचन प्रतिरक्षा के तौर पर कर सकेगा
का तात्पर्य 65
अभिहस्तांतरण
का परिशोधन 360
अरजिस्ट्रीकृत दस्तावेज
विनिर्दिष्ट पालन का वाद 113
अवयस्क
के संरक्षक द्वारा संविदा 74
द्वारा करार 71
अवशिष्ट भोगी
का तात्पर्य 177
अस्थायी व्यादेश
का अनुतोष 58
की मंजूरी के लिये आवेदन 509
जारी करने के लिये साबित योग्य बातें 506
प्रदत्त करने के सिद्धान्त 511
अस्थायी और शाश्वत व्यादेश
की मंजूरी 504
असम्यक अनुतोष
के रुप में क्षति 61
असम्यक असर
के अधीन दान विलेख का निष्पादन 403
असम्यक असर—क्रमशः
सम्पूर्ण करार की वैधता को प्रभावित करता है 370
असमर्थता
संविदापालन की 191
असुविधा
का मापदण्ड 507

आ

आचरण
पक्षकार का 92
पक्षकारों का 290
वादी का 227
आजीवन आभोगी
का तात्पर्य 173
'आन्वयिक न्यास'
का तात्पर्य 11
आपत्ति
का विनिश्चिय किये बिना कुर्की आदेश 49
'आभार'
का तात्पर्य 8
की परिभाषा 545
का विधिपूर्ण होना 531
की भग्नता का तथ्य 531
आर्थिक प्रतिकर
की उपलब्धता 78
के अनुतोष का पर्याप्त न होना 86
आवश्यक पक्षकार
का असंयोजन 253
आवेदन
संशोधन के लिये 52
आशय
विधायिका का 3
आक्षेपित आदेश
की पोषणीयता 129
आज्ञापक एवं निर्देशात्मक उपबन्ध
की प्रयोज्यता 4

आटापक व्यादेश
किन मामलों में जारी किया जायेगा 535
की मंजूरी 544
के अनुतोष का हकदार होना 549
के जारी किये जाने की विधिमान्यता 548
जारी करने के लिये वाद 548

इ

इमारत या भवन निर्माण
का करार 153

उ

उत्तरभोगी
का तात्पर्य 177
का हित 177

उत्तरवर्ती अंतरिती
भूमि पर किये गये सुधारों के लिये व्यय को वापस करने का अधिकार 262

उत्तरवर्ती क्रेता
सम्पत्ति का 263

'उत्तरवर्ती या वाद में'
का तात्पर्य 124

उत्तराधिकार
की संभावना का दूरवर्ती संपरिवर्तन 429

उत्तराधिकारी
द्वारा विनिर्दिष्ट पालन का वाद 175

उद्देश्य
संविदा का 177

उद्देशिका
का महत्व 2

उद्देश्य एवं कारण
की व्याख्या 2

उपबंध
की प्रकृति का निर्धारण 4

क

कपट
का आचरण 355

कपट—क्रमशः
का तात्पर्य 245
की दशा में सम्पूर्ण संविदा का विखण्डन 369
के आधार पर प्राप्त डिक्री की घोषणा हेतु 426
के आधार पर डिक्री शून्य घोषित कराने हेतु वाद 450
के आधार पर संविदा का विखण्डन 370
के प्रयोग का अभिकथन 277

कपट एवं दुर्व्यपदेशन
के आधार पर विक्रय विलेख के अपास्ती हेतु वाद 409
द्वारा करार 76

कपट या व्यपदेशन
की अनुपस्थिति में स्वत्व की निष्फलता 398

कब्जा
अचलसम्पत्ति की 32
का अधिकार 57
का अर्त 20
का प्रश्न 34
की अवधारणा का परीक्षण 49
की प्राप्ति के लिये वाद 36
की पुर्नप्राप्ति 213
के लिये डिक्री की मंजूरी 543
के लिये वाद 26, 424
के लिये वाद दायर किया जाना 503
के संरक्षण हेतु अधिकार 540
के हकदार व्यक्ति 54
भूमि का 30
में हस्तक्षेप 538
सम्बंधी कार्यवाही 22
से सम्बन्धित विवाद 483
के पुनर्स्थापन हेतु वाद 76

कब्जा एवं आज्ञापक व्यादेश
के लिये वाद 486

कब्जा का उत्तरवर्ती वाद
यदि वर्जित हो 331
कब्जा का प्रत्यावर्तन
के लिये वाद 49
कब्जागत स्वत्व
अन्य मामलों में 23
बेदखली कार्यवाही में 23
कब्जा तथा विभाजन
का वाद कब संस्थित नहीं किया जा सकता 326
कब्जा में हस्तक्षेप
के विरुद्ध स्थायी व्यादेश 48
कब्जे की प्राप्ति
का अर्थ 42
कर्तव्य पालन
की संविदा 157
करार
अचल सम्पत्ति के विक्रय करने का 206
अचल सम्पत्ति को बेंचने का 192
अधिकतम सीमा प्राधिकरण से अनुमति के अध्यधीन 286
अवयस्क द्वारा 71
अविधिपूर्ण होने के कारण शून्य 134
अस्पताल निर्माण के लिये 69
आरम्भतः शून्य होना 157
इमारत या भवन निर्माण का 153
कपट या दुर्व्यपदेशन द्वारा 76
का अर्थहीन खण्ड 69
का निष्पादन वसीयतदारों द्वारा 281
का पर्यवसान 412
का विनिर्दिष्ट अनुपालन 206
कृषियोग्य भूमि के विक्रय का 157
की वैधता को असम्यक असर प्रभावित करता है 370
के उपरांत सम्पत्ति को अन्य को विक्रय 254
के निष्पादन का विनिर्दिष्ट रुप से प्रत्याख्यान 273
करार—क्रमशः
के निष्पादन का सबूत 268, 307
के निष्पादन की हकदारी विवादित होना 300
के विखण्डन का वाद 369
जो शून्य है 372
जो सक्षम पक्षकारों के मध्य न किया जाना 134
प्लाट के विक्रय के विनिर्दिष्ट पालन हेतु वाद 230
पक्षकारों के मध्य 150
पक्षकारों के रजामंदी पर 155
भूमि बेंचने का 69
मध्यस्थ द्वारा विवाद के निस्तारण का 148
मरम्मत के कार्य का 154
में अनुबंध 284
में उपबंध 164
में खण्ड का समाशोधन 284
मौखिक रूप से नकारात्मक प्रकृति का होना 558
वक्फ सम्पत्ति के विरुद्ध 89
विक्रय का 115
विक्रय के लिये 5
विभाजन के लिये 88
स्थावर सम्पत्ति के पुनः खरीदने का 169
संयुक्त कुटुम्ब की सम्पत्ति के विक्रय का 274
सम्बंधी दस्तावेज मिथ्या होना 294
समयनिर्धारित किये बिना ही क्रय करने का 219
सक्षम पक्षकारों द्वारा 290
10 वर्ष पश्चात् दाखिल करार में खण्ड की प्रवृत्तता 179
करार भंग
का उपचार 137
कार्यवाही
कब्जा सम्बंधी 22
का तात्पर्य 334

कार्यवाही—क्रमशः
की बहुलता को रोकना 330
के अंतर्गत निष्पादन कार्यवाही सम्मिलित 334
के प्रक्रम पर अस्थायी व्यादेश की मांग 470
के प्रक्रम पर वादपत्र में संशोधन 330
विनिर्दिष्ट अनुतोष अधि० की धारा 5 के अधीन 33

किरायेदार
को विक्रय का करार 184
किरायेदार की बेदखली के पश्चात् विक्रय के करार का विनिर्दिष्ट पालन 294

कृषिक भूमि का विक्रय
का करार 157

कुर्की
द० प्र० सं० के अधीन 477
रोकने के लिये शाश्वत व्यादेश 535

कुर्की आदेश
आपत्ति का विनिश्चिय के बिना 49

कुसंयोजन
का प्रभाव--विनिर्दिष्ट अनुपालन सम्बंधी वाद में 164

क्रेता की उपस्थिति
की अवधारणा 207

क्रेता या पट्टेदार के अधिकार
हकन रखने वाले या अपूर्ण हक वाले व्यक्ति के विरुद्ध 116

क्रेता सावधान का सिद्धान्त
की प्रयोज्यता 127

'कोई दूसरा व्यक्ति'
का तात्पर्य 256

'कोई व्यक्ति'
का तात्पर्य 24

''कोई हक''
का तात्पर्य 233

ख

खण्डन
का अधिकार 235

घ

घोषणा
का प्रभाव 493
को विधिक सम्पत्ति या हैसियत के लिये होना चाहिए 449
नकारात्मक अधिकार के बावत 465
प्रदान करने सम्बंधी अधिकार का प्रयोग न्यायालय द्वारा 429
सम्पत्ति के स्वत्व बावत 438
सारयुक्त अधिकार की 465
घोषणा एवं कब्जा के लिये वाद 487

घोषणा एवं व्यादेश
के लिये अनुतोष की मंजूरी 26

घोषणा के लिये डिक्री
जिनके लिये अकृत है 463

घोषणा सम्बंधी आज्ञप्ति
का दावा 431

घोषणात्मक अनुतोष
पूर्ण नहीं 435

घोषणात्मक आज्ञप्ति
के अधीन निष्पादन 424
के संदर्भ में याद रखने योग्य बातें 473
पारित करने से इंकार 450

घोषणात्मक डिक्री
की आवश्यक शर्तें 448
के लिये कौन वाद दायर कर सकेगा 427
द्वारा अधिकार एवं स्वत्व की संपुष्टि 453
द्वारा नये अधिकार की संपुष्टि नहीं 436
परिदत्त करने से वर्जन करने के आधार 467
सर्वबंधी निर्णय होने के रुप में क्रियान्वित नहीं 494

घोषणात्मक वाद
अनुचित उद्ग्रहण हेतु 466

घोषणात्मक वाद—क्रमशः
अनुचित उद्देश्य के तहत....470
का उद्देश्य....423
नहीं लोक सेवक द्वारा पदच्युत होने पर....444
पदच्युति की अवैधता बावत....444
परिणामी अनुतोष के बगैर....489
में पारित डिक्री....432
में मौलिक क्षति का तथ्य....429
में साक्ष्य....478
विक्रय की संविदा का विनिर्दिष्ट अनुपालन....213
स्वत्व के आधार पर....25
हिन्दू पुत्र द्वारा....456
हिन्दू विधवा द्वारा....441

च

चल सम्पत्ति
क्या है....55
पर नियंत्रण....60
चल सम्पत्ति का अंतरण
की संविदा....136
चलसम्पत्ति की क्षति
के लिये प्रतिकर....85

ज

जांच
हक की....236
जुलूस
का अधिकार....437

ड

डिक्री
अग्रिम धन हेतु....333
अपीलीय प्रक्रम में उच्च न्यायालय द्वारा विनिर्दिष्ट पालन सम्बंधी....382
का निष्पादन....479
का परिशोधन....361
की न्यायोचितता....341
की प्रकृति....45
डिक्री—क्रमशः
की मंजूरी--शेयर की व्याप्ति के लिये....114
की वैधता का चुनौती....432
के पश्चात् विफलीकरण....377
परिशोधन सम्बंधी....362
मिथ्या अभिवचन के आधार पर प्राप्त....405
विनिर्दिष्ट अनुपालन की....70
विनिर्दिष्ट पालन की....228
डिक्री का निष्पादन
सि० प्र० सं० के उपबंधों के अधीन....317

त

तथ्य का एक ही निष्कर्ष
में हस्तक्षेप....50
तथ्य का प्रश्न
क्या क्रेता सद्भावपूर्ण है या नहीं....254
तथ्य की भूल
पक्षकार द्वारा....245
तथ्य सम्बंधी भूल
किस संविदा के संदर्भ में होना चाहिए....245
तत्परता
वादपत्र के आवश्यक भाग के रुप में....199
तृतीय पक्षकार
का अभियोजन....285
का कब्जा--प्रश्नगत सम्पत्ति पर....313
द्वारा घोषणा का दावा....496
पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़ना....359
तृतीय व्यक्ति
का दूरवर्ती हित....441
द्वारा वाद
की पोषणीयता....409
तैयारी
की अपेक्षा....197
का वादपत्र में उल्लिखित किया जाना अपेक्षित....199
तैयारी एवं रजामंदी
का तथ्य....196

तैयारी एवं रजामंदी—क्रमशः
के बारे में सबूत का अभाव 188
के बारे में विनिर्दिष्ट अभिकथन 275
पक्षकार के आशय एवं कार्य के सुसंगत तथ्य एवं परिस्थितियां नहीं हो सकती 209
वादपत्र में प्रकथन आज्ञापक नहीं 204
संविदा के अपने भाग का पालन करने हेतु क्रेतागण की 186
साबित करने में विफलता 220

द

दण्ड विधि
का प्रवर्तन 17
दत्तक विलेख
की वैधता 491
दस्तावेज पूर्व दिनांकित होना
सम्पूर्ण दस्तावेज को शून्य नहीं बना देता 405
दिवालिया व्यक्ति
संविदापालन के योग्य नहीं 199
द्वितीय अपील
की पोषणीयता 484
में हस्तक्षेप नहीं 222
स्थायी व्यादेश एवं आज्ञापक व्यादेश के विरुद्ध 540
द्वितीय विवाह
रोकने के लिये आदेश 513
दो पृथक घोषणाएं
के लिये वाद 487
दोषपूर्ण आचरण
पक्षकार का 392

ध

धनराशि
का भुगतान सद्भावनापूर्ण स्थिति में 258
सद्भावना पूर्वक तथा मूल संविदा की सूचना के बिना 258
धन के भुगतान जनित करार
विनिर्दिष्ट अनुपालन नहीं करवा सकता 137
धनीयमूल्य
में प्रतिकर 540

न

न्यायालय
का विवेकाधिकार 292
का स्वविवेक 501
का क्षेत्राधिकार एवं प्रक्रिया 44
जातिगत सम्पत्ति के प्रबंध में हस्तक्षेप नहीं कर सकता 441
न्यायालय का विवेकाधिकार
प्रास्थिति की या अधिकार की घोषणा के बारे में 421
न्यायालय का स्वविवेक
की प्रकृति 84
न्यायालय शुल्क
का आंकलन--विनिर्दिष्ट अनुपालन के वाद में 318
न्यायालय शुल्क की कमी
का प्रभाव 90
न्यायिक कब्जा
का तात्पर्य 21
दोषपूर्ण बेदखली के विरुद्ध 21
'न्यास'
की परिभाषा 6
के प्रकार 10
''न्यास के भंग में''
का तात्पर्य 96
न्यासी
की परिभाषा 6, 96
हितबद्ध व्यक्ति 421
न्यासों के संसक्त संविदा का विनिर्दिष्ट पालन
दशाएं जिनमें प्रवर्तनीय है 94
नकारात्मक करार
का अनुपालन 559

नकारात्मक करार—क्रमशः
के पाने का व्यादेश....557
प्रकृति में....533
नकारात्मक प्रसंविदा
के प्रतिवर्तनीय होने का प्रश्न....560
निगरानी
व्यादेश के आदेश के विरुद्ध....516
निजी सेवा का तथ्य आभार में....532
निजी सेवा की संविदा
का विनिर्दिष्ट पालन नहीं....142
नियुक्ति
रिसीवर की....48
निर्वचन
का प्रयोजन....3
का सिद्धान्त....3
में दृष्टांत सर्वसम्पन्न नहीं....3
निवारक अनुतोष
व्यादेश....497
व्यादेश द्वारा....501
निवारक या अभित्यजन
पूर्णस्थिति में होना....210
निश्चित होने योग्य संविदा
को शून्यकरणीय संविदा से भिन्न होना चाहिए....146
निष्पादन कार्यवाही
मूलवाद की नियमितता है....47
निक्षेपण की वापसी
के लिये वाद....128
निक्षेपित धनराशि
पर ब्याज....128
नीलामी विक्रय
की वैधता....179
नुकसानी
का परिनिर्धारण विनिर्दिष्ट पालन के लिये वर्जन न होगा....335
की संगणना....308
नोटिस
कब वास्तविक होती है....261

प

पट्टे की संविदा
के विनिर्दिष्ट पालन के लिये वाद का मूल्यांकन....560
पंचाट
की दशा में परिसीमा....347
पदभार
की उपस्थिति....106
पदभार मुफ्त सम्पत्ति
विनिर्दिष्ट अनुपालन का वाद प्रवर्तनीय....84
पर्दानशीन महिला
द्वारा संविदा....109
पर्यवसान
करार का....412
विक्रय करार का....228
स्वयं विक्रेता द्वारा संविदा का....282
पर्याप्त अनुतोष
सम्यक होना चाहिए....136
परिणामी अनुतोष
के बगैर घोषणात्मक वाद....489
परिपत्र या निगम
की वैधता....5
परिनिर्धारित क्षति का खण्ड
अपवर्जन नहीं....86
परिशोधन
अनुतोष को कब इंकार किया जा सकता है....363
अभिहस्तांतरण का....360
कपट या पारस्परिक भूल के कारण....359
का रद्दकरण....418
किसका किया जा सकेगा....354
की आवश्यक शर्तें....355
की मांग....351

परिशोधन—क्रमशः
के अभाव में अन्याय होने की संभावना 359
के लिये वाद 352
के लिये वाद कालबाधित रीति से लाया जाना 365
डिक्री का 361
निष्पादित दस्तावेज की 362
लिखित संविदा का 365
विलेख में 351
संविदा या अन्य लिखित विलख 355
सम्बंधी अनुतोष की प्राप्ति 357
सम्बंधी डिक्री 362
साक्ष्य का नियम 363
हेतु परिस्थितिकालीन साक्ष्य 364
परिसीमा
दस्तावेज के विलोपन के लिये वाद की 407
पंचाट की दशा में 347
वाद दायर करने की 76
विलेख के परिशोधन हेतु वाद लाने की 360
संविदा के विखण्डन के लिये वाद की 375
संविदा के विनिर्दिष्ट अनुपालन के वाद की 90
सम्बंधी सिद्धान्त की प्रयोज्यता 478
परिसीमा अवधि
के भीतर वाद 219
पश्चातवर्ती अंतरण का प्रभाव 210
पश्चातवर्ती क्रेता
के पक्ष में विक्यविलेख का निष्पादन 266
के विरुद्ध विनिर्दिष्ट पालन 266
पक्षकार
का आचरण 290
के विरुद्ध विनिर्दिष्ट पालन की डिक्री 252
बनने की ईप्सा 299
''पक्षकारों के बावत दावा करने वाले व्यक्ति''
की व्याप्ति 495
पागल होना
संविदापूर्ण होने के पूर्व पक्षकार का 253
पारस्परिक भूल
अनुतोष के अभाव पर आधारित 363
पारस्परिकता का सिद्धान्त
क्या है 69
पर आधारित नियम 279
प्रयोज्यता 72
भागिक पालन के सिद्धान्त को प्रभावित नहीं करता 71
पारिवारिक व्यवस्थापन
पर न्यायालय का दृष्टिकोण 172
पावर आफ अटार्नी
वेन्डर द्वारा निष्पादित 93
पुनर्विलोकन
की पोषणीयता 92
पुर्नस्थानांतरण का करार
विनिर्दिष्ट अनुपालन हेतु वाद 93
पुर्नहस्तांतरण
के मामले में संविदा का समय 156
पुनरीक्षण
का उपचार 44
की पोषणीयता 50
पुनः क्रय सम्बंधी करार
के विनिर्दिष्ट पालन का वाद 214
पूर्वक्रय का अधिकार
संविदा के विनिर्दिष्ट पालन के अधिकार से भिन्न 313
पूर्व न्याय का सिद्धान्त
की प्रयोज्यता 309
पूर्ववर्ती विक्रय करार
के अधीन क्रेता द्वारा वाद 261
पेड़ों की नीलामी
के अध्यधीन रहते हुए विक्रय 156
प्रत्यस्थापन
की हकदारी 393
हर मामले में आवश्यक नहीं 393

प्रत्यस्थापन या प्रतिकर
का शुद्ध मापन....393
प्रत्यस्थापन का सिद्धान्त
की प्रयोज्यता....129
'प्रत्यक्ष न्यास'
का तात्पर्य....11
प्रत्याख्यान
की मांग....392
'प्रतिकर'
का तात्पर्य....319
का दावा....309, 310
का दावा--संविदा की विषयवस्तु से सुभिन्न होने पर....110
का फायदा....416
का मापन....393
किस सीमा तक प्रदान किया जाये....417
की प्राप्ति सम्बंधी अधिकार....416
की हकदारी....110
के अधिकर का अभित्यजन....110
के अधीन बयानारकम नहीं आयेगी....344
के लिये करार के अधीन समय स्वीकृत होना....212
के वाद का वर्जन--विनिर्दिष्ट पालन के वाद के खारिज होने के पश्चात् भंग के लिये....341
के साथ विनिर्दिषष्ट पालन का वाद....114
क्रेता को धन के निर्बंधनों में....83
दिलाये जाने सम्बंधी न्यायालय का स्वविवेक....416
दिलाने की शक्ति--कतिपय मामलों में....309
धन के रूप में दिया जाना....302
में वृद्धि बावत अपील....417
वादी को धनीय मूल्य में....540
विलम्ब के लिये....321
संविदा की भग्नता पर....191
संविदा के अपालन की दशा में....94
प्रतिकूल कब्जा
का अभिकथन....427
का अभिवाक्....62
का दावा....30
का व्यादेश....489
के आधार पर हक की घोषणा हेतु वाद....490
के आधार पर स्वामित्व का दावा....51
स्थापित न किया जाना....26
प्रतिफल
की अदायगी में असमर्थता....202
की अपर्याप्तता....269
की राशि जमा करने के लिये न्यायालय द्वारा समय में वृद्धि....225
की वापसी....394
के भुगतान की विफलता....376
विक्रय के लिये....127
प्रतिफल के भागिक भुगतान
का मिथ्या अभिवचन....202
प्रतिस्थापन
जिस मामले में अनाभ्यासिक होना....391
प्रतिस्थापित अनुतोष
कब परिदत्त किया जा सकता है....502
प्रतिसंहरण
विवाचन के निर्देशन के करार का....149
प्रतिषेधात्मक प्रकृति
धारा की....214
प्रतिहस्तांतरण
के लिये करार का विनिर्दिष्ट पालन....295
प्रतिहस्तांतरण के लिये करार
का विनिर्दिष्ट अनुपालन....214
प्रतीकात्मक कब्जा
का तात्पर्य....22
की औपचारिक परिदायगी....22
'प्रभावी'
का तात्पर्य....557

प्रयोज्यता
अभिव्यजन या विबंध के सिद्धान्त की.....222
क्रेता सावधान का सिद्धान्त.....127
पूर्व न्याय के सिद्धान्त की.....309
प्रत्यस्थापन के सिद्धान्त की.....129
विबंध का सिद्धान्त.....309
प्राइवेट नीलामी विक्रय
की वैधता.....179
प्राङ्न्याय
की प्रयोज्यता.....48
पूर्व न्यायालय की सक्षमता पर लागू.....468
'प्रार्थनात्मक न्यास'
का तात्पर्य.....11
प्रास्थिति या अधिकार
की घोषणा के बारे में न्यायालय का विवेकाधिकार.....421

फ

फेरफार
किये बिना अप्रवर्तन.....237

ब

ब्याज
निक्षेपित धनराशि पर.....128
बकाया प्रतिफल
का निक्षेप.....384
बकाये धनराशि
की जमा करने बावत समय बढ़ाने का आवेदन.....384
बंदोबस्त
का तात्पर्य.....348
की परिभाषा.....9
बंधक निष्पादन
की संविदा.....151
बंधक सम्पत्ति
क्रय धन डिक्री.....127
बयाना रकम
की वापसी.....127
की वापसी का अभिकथन.....343
बयाना रकम—क्रमशः
की वापसी का अधिकार.....323
बयानाराशि
की वापसी संविदा भंग पर.....323
'बाध्यता'
की परिभाषा.....6
बेकब्जा
अचल सम्पत्ति पर से होना चाहिए.....38
ईश्वरीय कृत्य द्वारा होना.....36
कब माना जायेगा.....35
के बारे में पुलिस दर्ज रिपोर्ट.....39
के विरुद्ध व्यादेश का हक.....516
दोषपूर्ण ढंग से.....38
बिना व्यक्ति की सम्मति के.....38
विधि द्वारा विहित रीति से अन्यथा होना चाहिए.....39
विधि के दोषपूर्ण आदेशिकाओं द्वारा.....40
बेदखली
अपीलार्थी प्रतिवादी की.....115
बेदखली का आदेश
की विधिमान्यता.....51
बेदखली की कार्यवाही
रोकने हेतु व्यादेश.....553
में कब्जागत स्वत्व.....23
बेनामीदार
द्वारा वाद.....168
बेनामी संव्यवहार
के लिये सबूत का भार.....48

भ

भवन निर्माण
की संविदा.....140
भागतः अनुतोष
की मंजूरी की शक्ति न्यायालय का वैवेकिक होना.....82
भागतः पालन के अभिवाक् का लाभ
कब उपलब्ध नहीं.....225

भारी क्षति
होने की युक्तियुक्त आशंका 409
भूतकालिक प्रभाव
विधि का..... 4
भूतलक्षी प्रभाव
धारा 22 का..... 331
भूमि के विक्रय का करार
तथ्य का निष्कर्ष..... 303
भूल
के आधार पर विलेख में त्रुटि..... 353
तथ्य विषयक या विधि विषयक..... 356
युक्तियुक्त संदेह के परे साबित किया जाना..... 364
संविदाजन्य एक ही विषयवस्तु के बारे में 357

म

मध्यवर्ती लाभ
का उत्तरवर्ती दावा..... 244
मंजूर भूमि का विक्रय
करने के करार का विनिर्दिष्ट पालन..... 228
मंदिर का पुजारी
विधिक हैसियत से युक्त..... 447
'मात्र'
का महत्व 16
मिथ्या व्ययदेशन
की परिभाषा..... 246
निर्दोषिता पूर्वक भी हो सकता है..... 369
मूलक्षति
के अभिनिर्धारण का मानक न होना..... 85
मौखिक करार
का विनिर्दिष्ट पालन..... 157

य

युक्तियुक्त आशंका
अनुतोष के संदर्भ में..... 402
युक्तियुक्त संदेह
से स्वतंत्र हक को प्रदान करने में प्रतिवादी की असमर्थता..... 234

र

रकम का प्रतिदाय
के लिये वैकल्पिक डिक्री 341
रजामंदी
का प्रश्न मानसिक प्रक्रिया पर निर्भर.....227
संविदापालन हेतु.....115
'रद्दकरण'
का तात्पर्य 404
की आवश्यक शर्तें.....408
न्यायालय द्वारा आवश्यक समझा जाना 409
परिशोधन का.....418
रद्दकरण का आदेश
कब दिया जा सकेगा 395
रद्दकरण तथा कब्जा
का वाद.....413
रिसीवर
की नियुक्ति 263
रिसीवर की नियुक्ति
की व्याप्ति 48
राजस्व अभिलेखों में प्रविष्टि
का उपधारात्मक मूल्य 543

ल

लाभ का समनुदेशन
अंतरण करने में असमर्थ होगा.....170
लिखत
अवैधता के कारण शून्य होना.....397
कब परिशोधित की जा सकेंगी 349
का रद्दकरण 395
की परिशुद्धि.....349
की संदिग्धता.....400
के अनुसमर्थन की अनुज्ञेयता 366
कौन सी भागतः रद्द की जा सकेगी.....412
में सम्मिलित दस्तावेज.....358
लिखत का अपास्त किया जाना तथा परिशोधन
के मध्य अंतर 363

लिखत विलेख
का सृजन....408
लिखित कथन
दाखिल न करना....157
लिखित संविदा
का परिशोधन....365
लेटर्स पेटेण्ट अपील
की पोषणीयता....52
लोक अपदूषण
की दशा में विशिष्ट व्यक्ति के पक्ष में व्यादेश....546
रोकने हेतु व्यादेश....536
से क्षति....537
लोप
पंजीकृत विलेख में....351

व

'व्यक्ति'
का तात्पर्य....24
के विरुद्ध अनुतोष....59
जिसके विरुद्ध अनुतोष का दावा किया गया है....65
व्यतिक्रम
विक्रेता द्वारा संविदा के अपने भाग का पालन करने में....247
व्यतिक्रम खण्ड सहित सशर्त डिक्री
पारित किये जाने का प्रश्न....386
व्यवस्थापन
का विनिर्दिष्ट अनुपालन....172
की परिभाषा....172
व्यापार चिह्न
का उल्लंघन....6
व्यादेश
अवैध निर्माण रोकने हेतु....536
का आदेश....394
किस न्यायालय द्वारा परिदत्त किया जा सकेगा....503
की घोषणा हेतु वाद....484
व्यादेश—क्रमशः
की प्रकृति....497
की मंजूरी का हकदार न होना....556
की मंजूरी की अनुज्ञेयता....158
के अनुतोष से इंकार....546
के आदेश के उल्लंघन में पश्चात्वर्ती क्रेता के पक्ष में निष्पादन....255
के आदेश के विरुद्ध निगरानी....516
के आदेश की मंजूरी....159
के लिये दूसरे आवेदनपत्र का नामंजूर किया जाना....308
के लिये वाद की पोषणीयता....6
के स्थान पर या उसके अतिरिक्त नुकसानी....549
जारी करने का क्षेत्राधिकार....522
जारी करने सम्बंधी अधिकार....502
द्वारा निवारक अनुतोष....501
नकारात्मक करार के पाने का....557
निवारक अनुतोष....497
प्र०सू०रि० दर्ज करने से प्राधिकारी को रोकने हेतु....556
पोलक व मुल्ला के अनुसार....498
बावत कब्जा....527
बेदखली की कार्यवाही रोकने हेतु....553
लोक अपदूषण को रोकने हेतु....536
वादगत परिसर से बेकब्जा के विरुद्ध....516
विदेशी न्यायालय की कार्यवाही को रोकने वाला....554
विधिविरुद्ध कब्जाधारी की प्रेरणा पर....522
सम्बंधी कार्यवाही....340
साम्पतिक अधिकारों बावत....534
से इंकार....554
से सम्बन्धित अन्य सांविधिक उपबंध....503
हाल्सवरी के अनुसार....498
व्यादेश सिम्पलीसिटर
के लिये वाद की पोषणीयता....491

वक्फ सम्पत्ति
के विरुद्ध करार 89
वर्जन
घोषणात्मक डिक्री को परिदत्त करने से 467
स्थायी व्यादेश का 556
स्थायी व्यादेश हेतु वाद के विरुद्ध 535
संशोधन का 324
सि०प्र०सं० के आदेश 11 नियम 2 का 46
वसीयत
का तात्पर्य 9
वसीयत का प्रश्न
वसीयतकर्ता की मृत्यु के पश्चात् प्रभावी होना 456
वसीयती व्ययन
की वैधता 489
वसूली/प्रत्युद्धरण का करार
विनिर्दिष्ट पालन 228
वाद
अप्राप्तवय की अभिरक्षा के लिये 557
कपट एवं दुर्व्यपदेशन के आधार पर विक्रय विलेख के अपास्ती हेतु 409
कब्जा के लिये 424
कब्जा के प्रत्यावर्तन के लिये 49
कब्जा एवं आज्ञापक व्यादेश हेतु 486
कब्जा के पुनर्स्थापन हेतु 76
कब्जा के लिये 26
कब आवश्यक नहीं होगा 407
का तात्पर्य 40
का वर्जन नहीं 49
का संक्षिप्त विचारण 50
किराया टिप्पणी के लिये 288
कृषियोग्य भूमि के विक्रय की संविदा का विनिर्दिष्ट पालन हेतु 103
की प्रकृति 400
की पोषणीयता 26
वाद—क्रमशः
की पोषणीयता--जब अन्य पक्षकार का हित नहीं 179
के लंबन के दौरान प्रतिवादी की मृत्यु 285
कौन दायर कर सकेगा 24
घोषणा एवं स्थायी व्यादेश के लिये 6
तृतीय व्यक्ति द्वारा 409
दस्तावेज के रद्दकरण हेतु 399
दायर करने की परिसीमा 76
दो पृथक घोषणाओं के लिये 487
निरस्त किया जाना 296
निक्षेपण की वापसी के लिये 128
परिशोधन के लिये 352
पूर्ववर्ती विक्रय करार के अधीन 261
बेंची जा चुकी सम्पत्ति के प्रतिहस्तांतरण के लिये 219
बेनामीदार द्वारा 168
भूमि के विक्रय की संविदा के विनिर्दिष्ट पालन हेतु वाद 183
में पारित डिक्री की प्रकृति 45
रद्दकरण तथा कब्जे का 413
व्यादेश की घोषणा हेतु 484
व्यादेश के लिये 6
विक्रय विलेख के निष्पादित न होने पर विक्रय करार के विनिर्दिष्ट पालन हेतु 225
विक्रय करार के प्रवर्तन के लिये 215
विक्रय विलेख के निरस्तीकरण हेतु 424
विधिक प्रतिनिधि द्वारा 42
विभाजन के लिये 488
विशेष चल सम्पत्ति बावत 57
शाश्वत व्यादेश के लिये 226
शून्य दस्तावेज के रद्दीकरण हेतु 411
स्थावर सम्पत्ति से बेकब्जा किये गये व्यक्ति द्वारा 26
स्थायी व्यादेश के लिये 424
स्थायी प्रतिषेधात्मक व्यादेश के लिये 549
सम्पत्ति के कब्जे की प्राप्ति के लिये 45

वाद—क्रमशः
संविदा भंग के लिये प्रतिकर की प्राप्ति हेतु 332
सेवा की समाप्ति हेतु नुकसानी का दावा करने वाला 550
सेवा में पुनःस्थापना के लिये 156
4 वर्ष व्ययगत होने के पश्चात् विक्रय करार के विनिर्दिष्ट पालन हेतु 207

वादपत्र
में अन्य अनुतोष के लिये कार्यवाही 330
में तत्परता का अभाव 200
में तत्परता साबित करने में साक्ष्य का अभाव 200
में तैयारी एवं रजामंदी का प्रकथन आज्ञापक नहीं 204
में दर्शित की जाने वाली बातें 196
में वादगत सम्पत्ति का वर्णन करने में भूल 352
में संशोधन की अनुज्ञेयता 268
में संशोधन की अनुज्ञा नहीं 196

वाद लंबन का सिद्धान्त
प्रयोज्यता 257

'वाद ला सकेगा'
का तात्पर्य 403

वाद के पक्षकार
का तात्पर्य 494

वादगत परिसर से बेकब्जा
के विरुद्ध व्यादेश 516

वादगत सम्पत्ति
की प्रकृति का अवधारण 516

वादहेतुक
वादपत्र में 81
संविदा के विनिर्दिष्ट पालन का 277

वादियों का संयोजन
कब हो सकेगा? 162

वादी की अनवधानता
का प्रभाव 507

वास्तविक कब्जा
का तात्पर्य 21

विकल्प
का विनिर्दिष्ट अनुपालन 74

विक्रय
का अरजिस्ट्रीकृत करार पर विचार 277
के रजिस्ट्रीकृत विलेखों द्वारा पश्चातवर्ती तौर पर विक्रय करने का औचित्य 487
के लिये प्रतिफल 127
पेड़ों की नीलामी तथा पुष्टि के अध्यधीन रहते हुए 156
शेयर या स्टाक का 137
संविदाजन्य विषयवस्तु का 138
विक्रय संविदा
का विनिर्दिष्ट अनुपालन 388
डिक्री धारी के पक्ष में स्वत्व की पुष्टि नहीं करता 163
संयुक्त हिन्दू परिवार के कर्ता द्वारा 134
विक्रय की गयी सम्पत्ति
का प्रति हस्तांतरण सम्बंधी वाद 75

विक्रय करार
का अस्तित्व 207
का निष्पादन 93
का पर्यवसान 228
का विखण्डन 388
का विनिर्दिष्ट अनुपालन 51
किरायेदार को 184
की प्रवर्तनीयता 304
की वैधता--जब केवल Vendor द्वारा हस्ताक्षरित 179
के अनुसार बकाया प्रतिफल की अदायगी 185
के निष्पादन के लिये वाद 215
के निष्पादन का अनुबंध 207
के प्रवर्तन के लिये वाद 215
के भाग के लिये विनिर्दिष्ट अनुपालन 113
में महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाना 530

विक्रय करार—क्रमशः
सम्पत्ति का 217
विक्रय तथा परिदान की संविदा 157
विक्रय प्रतिफल
का संदाय 83
के बकाया राशि का संदाय 301
के संदाय का अनुबंध 205
विक्रय विलेख
का निष्पादन 209
का रद्द किया जाना 411
की अवैधता 266
की घोषणा हेतु वाद 488
के निरस्तीकरण हेतु वाद 424
के पूर्ण संतुष्टि के उपरान्त निष्पादन का विखम्डन 331
को अपास्त करने तथा कब्जे की प्रत्युद्धता 419
निष्पादित न होने पर विक्रय करार के विनिर्दिष्ट पालन हेतु वाद 225
विक्रेता अथवा पट्टाकर्ता
की व्याप्ति 124
विखण्डन
कपट की दशा में सम्पूर्ण संविदा का 369
कब न्यायनिर्णीत या नामंजूर किया जा सकेगा 367
करार का 369
कराने वाले पक्षकारों से साम्या बरतने की अपेक्षा 390
की अनुकल्पित प्रार्थना विनिर्दिष्ट पालन के वाद में 388
की मांग 374
विखण्डन तथा निरस्तीकरण
में भिन्नता 390
विखण्डन तथा रद्दकरण
में भिन्नता 419
विदेशी न्यायालय की कार्यवाही रोकना
हेतु व्यादेश 554
विधायिका
का आशय 3
विधि
का विभाजन 5
विधिक प्रतिनिधि
द्वारा वाद 42
विधिक हैसियत की प्रास्थिति
जाति का प्रश्न 442
विधिक हैसियत से युक्त
मंदिर का पुजारी 444
विधि की वेकब्जा
करने की प्रक्रिया 51
विधि द्वारा प्रतिषिद्ध कार्य
शाश्वत व्यादेश 538
विनिर्दिष्ट अनुपालन
असामयिक होना 75
का करार लागू होना 115
का वाद--प्रतिकर के साथ 114
का वाद डिक्रीत नहीं 188
का वाद उत्तराधिकारी द्वारा 175
का वाद संस्थान के सेवक द्वारा 143
का समुचित विषय न होना 112
की मांग वादी द्वारा 244
की सामान्य शर्तें 136
की डिक्री का निष्पादन 335
की डिक्री अंतरणकर्ता के विरुद्ध 330
की डिक्री नामंजूर किये जाने की वैधता 304
की मंजूरी 115
की मंजूरी 304
की डिक्री 228
की डिक्री पारित करने के बारे में विवेकाधिकार 268
की असमर्थता 111
की डिक्री 70
के वाद में सबूत का भार 90
के अनुतोष का अस्वीकृत किया जाना 228

विनिर्दिष्ट अनुपालन—क्रमशः
के वाद में विभाजन की डिक्री.....335
के वाद में लंबन का सिद्धान्त.....89
क्रेता के विरुद्ध.....266
के अनुतोष की मंजूरी वैवेकिक होना.....218
के लिये वाद--पुनः क्रय सम्बंधी करार का.....214
के अनुतोष का प्रत्याख्यान.....308
के वाद की वैधता.....49
के वाद में कुसंयोजन का प्रभाव.....164
को पट्टाग्रहीता प्रतिरोधित करा सकेंगे.....231
कौन अभिप्राप्त कर सकेगा.....160
में उपेक्षापूर्ण विलम्ब.....110
मौखिक करार का.....157
व्यवस्थापन का.....172
वसूली/प्रत्युद्धरण के करार का.....228
विक्रय करने के करार का.....51
विवेक के प्रयोग से इंकार की वैधता.....296
विभाजन के लिये करार का.....88
संविदा की शर्तों एवं प्रतिरक्षाओं के अनुसार.....80
संविदा के भाग का.....98
सम्बंधी डिक्री प्राप्त करने से रोक की दशाएं.....105
से इंकार सम्बंधी शक्ति का प्रयोग.....278
से इंकार--पट्टा अनुदत्त करने बावत.....111

विनिर्दिष्ट अनुपालन की डिक्री
किन दशाओं में परिदत्त की जा सकती है.....153

विनिर्दिष्ट अनुतोष
का व्यक्तिगत सिविल अधिकारों के लिये ही अनुदत्त किया जाना.....16

विनिर्दिष्ट अभिवचन
के अभाव का प्रभाव.....210

विनिर्दिष्ट जंगम सम्पत्ति
का प्रत्युद्धरण.....52

विनिर्दिष्ट स्थावर सम्पत्ति
का प्रत्युद्धरण.....18

विबंध
स्वत्व के रूप में.....83

विबंध का सिद्धान्त
का लागू होना.....309
पोषण द्वारा.....122

विभाजन
का अनुतोष.....491
की स्थिति में विनिर्दिष्ट पालन का वाद.....326
के लिये वाद.....488

विल
का सम्यक निष्पादन.....489

विलम्ब
के लिये प्रतिकर.....321
विनिर्दिष्ट अनुपालन में.....110

विलेख
का विलोपन.....397
के अधीन परिदत्त धनराशि.....329
सून्य या शून्यकरणीय होना.....408

विलेख में परिशोधन
बावत पृथक वाद दायर करना आवश्यक नहीं.....353
हेतु वाद लाने की.....360

विलोपन
कपटपूर्ण व्यपदेशन आवश्यक तत्व नहीं.....415
के लिये वाद नहीं--लिखत शून्य होने की दशा में.....400
विलेखों का.....397
सम्बंधी अनुतोष.....398
सम्बंधी अनुतोष समुचित समय पर.....404
सम्बंधी अनुतोष के लिये न्यायालय द्वारा पक्षकारों के आचरण पर ध्यान.....403
सम्बंधी नियम.....397
सम्बंधी वाद में वाद हेतुक.....398

'विवश कर सकेगा'
का तात्पर्य.....126

'विवक्षित न्यास'
का तात्पर्य 11
विवाचन
की संविदा 149
के मामले में मध्यस्थ की नियुक्ति 346
विवाचन के निर्देशन का करार
का प्रतिसंहरण 149
विवाह
की संविदा 144
विवेकाधिकार
का प्रयोग 293
न्यायालय का 292
विनिर्दिष्ट पालन की डिक्री पारित करने के बारे में 268
विशिष्ट अनुतोषजन्य अनुपालन तथा निवारक अनुतोष
के बीच अंतर 498
विशेष चल सम्पत्ति
बावत वाद 57
विस्थापित
का स्वत्व 265
वैकल्पिक अनुतोष
के रुप में संविदा के विनिर्दिष्ट पालन का वाद 185
संविदा के विनिर्दिष्ट पालन के वाद में 215
वैयक्तिक अपदूषण
में कार्य 537
वैयक्तिक वर्जन
अनुतोष का 179
वैयक्तिक सेवा
की प्रकृति वाली संविदा 141
की संविदा 138
वैवेकिक अनुतोष
का हकदार होना 307
विलम्ब के आधार पर 292
संविदा के विनिर्दिष्ट अनुपालन हेतु 277

श

शब्द और अर्थ
अधिकार 465
'अन्य अनुतोष' 470
अपदूषण 537
'अपनी शक्तियों के बाहर' 96
'अवशिष्ट भोगी' 177
'आजीवन आभोगी' 173
'आनव्यिक न्यास' 11
'आभार' 8
'उत्तरभोगी' 17
'उत्तरवर्ती या वाद में' 124
'कपट' 245
'कार्यवाही' 334
'कोई व्यक्ति' 24
''कोई हक'' 233
'कोई दूसरा व्यक्ति' 256
'न्यायिक कब्जा' 21
'न्यास' 6
''न्यास के भंग में'' 96
'न्यासी' 6
'प्रत्यक्ष न्यास' 11
'प्रतिकर' 319
प्रतीकात्मक कब्जा 22
'प्रभावी' 557
'प्रार्थनात्मक न्यास' 11
'बंदोवस्त' 348
'बाध्यता' 6
मिथ्या व्यपदेशन 246
'रद्दकरण' 404
'व्यक्ति' 24
'व्यवस्थापन' 6
'वर्जन कर देगी' 343
'वसीयत' 9
'वाद' 40
'वाद के पक्षकार' 494
'वाद ला सकेगा' 403

शब्द और अर्थ—क्रमशः
वास्तविक कब्जा 21
'विवश कर सकेगा' 126
'विवक्षित न्यास' 11
'शाश्वत व्यादेश' 9
'स्वत्व' 34
'स्वविवेक' 403
'समुचित वाद' 327
संयुक्त कब्जा 22
'संविदा' 250
'संविदा के पश्चात् उद्भूत हक' 257
'संविदा में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति' 373
'सूचना' 260
'हक' 457
'हकदार न होना' 190
''हकदार हितग्राही'' 171
'ज्ञान' 373
शर्तों की भिन्नता
का प्रभाव 246
शाश्वत व्यादेश
कब अनुदत्त किया जाता है 518
का प्रश्न 526
की परिभाषा 9
की मांग 500
कुर्की रोकने के लिये 535
के लिये वाद 226
जारी करना न्यायालय का स्वविवेक कृत्य 526
जारी करने सम्बंधी सिद्धान्त 499
निर्णीत ऋणी द्वारा नीलामीक्रेता द्वारा 530
परिदत्त करने पर प्रेरणा प्रभावहीन होना 533
विधि द्वारा प्रतिषिद्ध कार्य 538
सुखाचार का अधिकार 547
शास्ति
का उपबंध 341
जो विधि में प्रवर्तनीय नहीं 372
शून्य करणीय करार
संविदा का 369
शून्य दस्तावेज के रद्दीकरण
हेतु वाद की पोषणीयता 411
शेयर की व्याप्ति
के लिये डिक्री की मंजूरी 114
शेयर या स्टाक
का विक्रय 137
शेयर विक्रय का करार
सहदायिकी सम्पत्ति में 305

स

स्टाम्प शुल्क
प्रभार 13
स्थानांतरण का आदेश
घोषणा एवं स्थायी व्यादेश के लिये वाद 158
स्थानीय निकाय के सेवक
द्वारा विनिर्दिष्ट पालन का वाद 143
स्थायी प्रतिषेधात्मक व्यादेश
के लिये वाद 549
स्थायी व्यादेश
अप्राधिकृत निर्माण को हटाने के लिये 543
का अनुतोष 540
का वर्जन 556
का साम्यापूर्ण अनुतोष 540
की मंजूरी 504
की हकदारी 549
के लिये वाद 424
के लिये वाद--दीर्घकालिक कब्जा बेकब्जा के विरुद्ध 542
के लिये वाद की पोषणीयता 517
वादी के कब्जे में हस्तक्षेप के विरुद्ध 48
स्वत्व की घोषणा हेतु 560
सुधार न्याय द्वारा अर्जित भूमिका 540
स्थायी व्यादेश एवं आज्ञापक व्यादेश
के विरुद्ध द्वितीय अपील 540

स्थावर सम्पत्ति
से बेकब्जा किये गये व्यक्ति द्वारा वाद 26
स्थावर सम्पत्ति का प्रति हस्तांतरण
का करार..... 169
स्थावर सम्पत्ति के विक्रय की संविदा
शाश्वतता के सिद्धान्त के विरुद्ध नहीं..... 84
स्वत्व
अपूर्ण होना 234
का कब्जा साक्ष्य 23
का तात्पर्य..... 34
की जांच का नियम..... 34
के आधार पर घोषणात्मक वाद..... 25
के रुप में विबंध..... 83
के सम्बंध में संविदा की तिथि पर क्रेता के ज्ञान द्वारा अपसारित न किया जाना..... 230
को दोषपूर्ण बनाने का कारण..... 232
संविदा के पश्चात् उद्भुत होने वाले 254
सम्बंधी विषय पर विचार करने की आबद्धता..... 232
साबित करना..... 407
साबित करने में विफलता 19
स्वत्व एवं कब्जा
का प्रत्याख्यान..... 30
स्वत्व की घोषणा
के लिये वाद 560
के लिये स्थायी व्यादेश..... 560
स्वत्व विलेख
नष्ट हो जाना..... 188
'स्वविवेक'
का तात्पर्य..... 403
स्वविवेक का प्रयोग
कब न्यायालय द्वारा किया जायेगा? 383
न्यायालय द्वारा..... 279
स्वामित्व तथा कब्जा
दो पृथक न्यायिक अवधारणाएं..... 20
स्वामी की ओर से दावा करने वाले व्यक्ति
द्वारा वाद..... 40
सद्भावना
ईमानदारी पूर्ण आशय 254
सद्भाविक क्रेता
को पालन के अनुतोष की मंजूरी..... 267
सदाचरण
साबित करने का भार..... 267
संदर्भ का तात्पर्य..... 8
''संदर्भ में जब तक अन्यथा अपेक्षित न हो''
का तात्पर्य 8
संदेहपूर्ण स्वत्व
की दशा में न्यायालय वादी पर बल नहीं डाल सकता..... 235
संयुक्त कब्जा
का तात्पर्य 22
संयुक्त संविदा
आंतरिक सम्पत्ति के विक्रय की..... 107
संविदा
अनुचित तथा अप्रवर्तनीय होना..... 274
अधिनियम के अनुरुप होनी चाहिए..... 387
अवयस्क के संरक्षक द्वारा..... 74
एक से अधिक व्यक्तियों द्वारा 171
एजेंसी की..... 141
कर्तव्य पालन की..... 157
क्रय-विक्रय या कीर्तिस्व के विक्रय की 144
कम्पनी तथा प्रबंध अभिकर्ता के मध्य..... 140
कब अवयस्क पर आबद्धकर 73
का पालन करने से इंकार..... 328
का उन्मोचन..... 272
का पक्षकार दीवालिया होना..... 256
का शून्यीकरण 212
का तात्पर्य वास्तविक तथा पूर्ण संविदा से है..... 244
का प्रवर्तन 239
का वैध होना 374

संविदा—क्रमशः

का शून्यकरणीय होना....373
का विखम्डन....367
का अनुपालन करने के पूर्व मृत्यु....171
का विफलीकरण....112
को छोटा भाग....104
का निष्पादन....80
की आवश्यक शर्तों का अतिक्रमण....191
की भग्नता पर प्रतिकर....191
की कठिनाई सम्बंधी तथ्य....278
की कठिनाई....278
की अनिश्चितता या संदिग्धता....273
की विशिष्ट शर्त....211
की शर्तों का कतिपय संपरिवर्तन....243
की तिथि पर अपूर्ण स्वत्व....121
की विषय वस्तु....110
के अपने भाग का पालन करने में तत्पर न रहना....201
के पालन हेतु कालावधि करार....299
के पालन की अक्षमता....184
के उचित होने में समय का अभिनिर्धारण....290
के पालन की कठिनाई का आधार....278
के विनिर्दिष्ट पालन की एकपक्षीय डिक्री का निष्पादन....267
के विनिर्दिष्ट पालन के वाद में वैकल्पिक अनुतोष....215
के पश्चात् उद्भुत होने वाले स्वत्व....254
के पूर्ण होने के पूर्व पक्षकार का पागल होना....253
के अधीन धन की अदायगी....210
के पक्षकार का पाश्चिक आचरण....370
के भाग का पालन की असमर्थता....112
के पालन की असमर्थता....103
के भाग का विनिर्दिष्ट पालन....98
के अपने भाग का पालन करने में तैयार एवं रजामंद....81

संविदा—क्रमशः

को पूरा करने के लिये तैयार एवं इच्छुक होना....186
चल सम्पत्ति के अंतरण की....136
जिनका पालन आवश्यक नहीं....147
जिनके पालन की डिक्री की जा चुकी है उसके विखण्डन की परिस्थितियां....378
जो विनिर्दिष्टतः प्रवर्तनीय नहीं है....130
जो निस्तारण योग्य है....376
जो अविधिपूर्ण मानी जायेंगी....371
नियोजक तथा नियोक्ता के मध्य की गयी श्रम....144
पर्दानशीन महिला द्वारा....109
बंधक निष्पादन की....151
भवननिर्माण की....140
भूमि के विक्रय की....252
में निजी सेवा का तथ्य....532
में पारस्परिक भूल....372
में भविष्य से सम्बन्धित प्रतिनिधित्व....272
में सकारात्मक शर्तें....111
में समय का अभाव....156
विक्रय तथा परिदान की....157
विनिर्दिष्ट तौर पर प्रवर्तनीय न होना....147
विवाचन की....149
विवाह की....144
विशेषाधिकार को अंतरित करने की....66
वे मामले जहां पर शर्तें संदिग्ध है....240
वैयक्तिक सेवा की....138
शून्य होना....111
संयुक्त पारिवारिक सम्पत्ति के विक्रय की....108
सांविधिक संरक्षक द्वारा....73
सम्पत्ति के विक्रय की....439
सम्पत्ति के बेचने या पट्टे पर देने की....229
सम्पत्ति के पुर्न अभिहस्तांतरण की....202
से अजनबी व्यक्ति भी पक्षकार के रुप में अंतर्वलित किया जाना....262

संविदा—क्रमशः
से निष्पाद्य संविदा अभिप्रेत.....250
सेवा में नियोजन की 141
संविदा का अपालन
की दशा में प्रतिकर का अवधारण.....94
संविदा का उद्देश्य
पूरा किया जाना चाहिए.....177
संविदा का विनिर्दिष्ट अनुपालन
जहां नहीं कराया जा सकता 97
जिन दशाओं में प्रवर्तनीय है.....76
संविदा का विखण्डन
कपट के आधार पर 370
का अधिकार 375
में प्रतिरक्षा 374
संविदा का समय
पुर्नहस्तांतरण के मामले में.....156
संविदा की विषयवस्तु
सुभिन्न होने पर प्रतिकर का दावा 110
संविदा के पश्चात् उद्भूत हक
का तात्पर्य 257
संविदा के भाग का विनिर्दिष्ट पालन
अनुज्ञात न किया जाना.....129
कब मंजूर किया जा सकता है.....114
संविदा के पक्षकार की मृत्यु
का प्रभाव 169
संविदा के संदर्भ में
का तात्पर्य 65
संविदागत परिवर्तन
तथ्यों या शर्तों के बारे में 245
संविदाजन्य व्यवहार
से उत्पन्न अधिकार 438
संविदाजन्य विषयवस्तु
का विक्रय 138
संविदात्मक संदाय का सिद्धान्त
की प्रयोज्यता.....303
संविदा पर आधारित अनुतोष का वाद
में प्रतिरक्षाएं.....63
संविदा पालन
ऐसे व्यक्ति के पक्ष में नहीं कराया जा सकेगा.....191
करने के लिये तैयारी एवं रजामंदी का प्रश्न आवश्यक नहीं बल्कि प्रतिकर की रकम तैयार रखना चाहिए.....209
की असमर्थता.....191
की मांग 200
के अयोग्य दिवालिया व्यक्ति.....199
के लिये वाद की सुनवाई तक तत्पर रहना आवश्यक.....199
हेतु रजामंदी 115
संविदा भंग
का कारण पालनकर्ता का कपटपूर्ण आचरण.....316
के उपरांत कार्यवाही करने के विकल्प.....342
के परिणामस्वरुप क्षति.....328
के लिये प्रतिकर की प्राप्ति हेतु वाद.....332
क्रेता की चूक पर 329
पर अनुकल्पतः क्षतिपूर्ति 322
पर बयाना राशि की वापसी.....323
पर क्षतिपूर्ति.....317
संविदा में हितबद्ध कोई व्यक्ति
का अभिप्राय 373
संविदा विधि
के अधीन उपलब्ध आधार.....65
संविदा सार
का अनुपालन.....178
संशोधन
का वर्जन.....324
की अनुज्ञा 203
की अनुज्ञा नहीं वादपत्र में.....196
के लिये आवेदन की खारिजी 52
संशोधन आवेदन
की अनुज्ञेयता.....57
संस्थान के सेवक
द्वारा विनिर्दिष्ट पालन का वाद 143

संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ
अधिनियम का 1
सबूत
करार के निष्पादन का 268
सबूत का भार
पारस्परिक भूल का 365
बेनामी संव्यवहार के लिये 48
विनिर्दिष्ट अनुपालन के वाद में 90
सम्पत्ति
का उत्तरवर्ती क्रेता 263
का विक्रय करार 217
सम्पत्ति अंतरण अधिनियम
की धारा 43 तथा धारा 13 में अंतर 118
सम्पत्ति का अधिकार
शाश्वत व्यादेश द्वारा प्रतिरक्षित किया जाना 533
सम्पत्ति का कब्जा
का प्रत्युद्धरण 51
सम्पत्ति का पुर्नहस्तांतरण
की संविदा 202
सम्पत्ति का विक्रय
बिना किसी आपत्ति एवं कपट के 93
करने के लिये करार के विनिर्दिष्ट पालन का वाद 221
के करार के विनिर्दिष्ट अनुपालन के लिये वाद 93
की संविदा 439
सम्पत्ति का स्वत्व
बावत घोषणा 438
सम्पत्ति की कुर्की
का अधिकार 456
सम्पत्ति पर स्वामित्व की घोषणा
के विरुद्ध स्थायी व्यादेश 538
समझौता
निस्तारण का आधार 480
निष्पादित या निष्पाद्य हो सकता है 347
समझौता डिक्री
की निष्पादन कार्यवाही उस न्यायालय में दाखिल न होना जहां डिक्री पारित की 216
समनुदेशन
का प्रभाव 170
लाभ का 170
समनुदेशन विलेख
का रद्द किया जाना 412
समपहरण
अग्रिम धन का 334
समय
क्या संविदा का सार होता है 110
निर्धारित किये बिना ही क्रय करने का करार 219
समाश्रित संविदा
में पक्षकार की प्रविष्टि 108
समयवृद्धि
संविदा के विनिर्दिष्ट पालन के वाद में न्यायालय द्वारा 387
प्रतिफल राशि जमा करने के लिये 225
समय संविदा का सार
यह प्रश्न प्रत्येक मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों पर आधारित 193
'समुचित वाद'
का तात्पर्य 327
सशर्त डिक्री
व्यतिक्रम खण्ड सहित 386
सहस्वामी पर अनुबंध
का प्रभाव 113
साधारण उपनिधान
क्या है-- 57
सांविधिक सेवक
द्वारा संविदा 142
साबित करने का भार
बिना सूचना के तथ्य को 259
सदाचरण 267

साम्यापूर्ण अनुतोष
स्थायी व्यादेश का....540
से वंचित होना....222
साम्यिक विबंध
प्रतिरक्षा के रुप में....263
साक्ष्य
घोषणात्मक वाद में....478
सिविल न्यायालय
की अधिकारिता....410
सिविल न्यायालय का निर्णय
की बाध्यता शिक्षा विभाग के प्राधिकारियों पर....157
सिविल प्रक्रिया संहिता
की धारा 47 की प्रयोज्यता....90
सीमित स्वत्व
का समर्पण....453
सुखाचार का अधिकार
शाश्वत व्यादेश....547
सुखाधिकार
भूमि पर....547
सुने जाने का अधिकार
वाद का....503
सुविधाजन्य संतुलन का सिद्धान्त
का तात्पर्य....506
'सूचना'
का तात्पर्य....260
की प्राप्ति....260
पूर्व संविदा की....263
सेवा की समाप्ति
की घोषणा....158
सेवा में नियोजन
की संविदा....141
सेवा में पुनःस्थापना
के लिये वाद....156

ह

'हक'
का तात्पर्य....457
'हक'—क्रमशः
की जांच....236
की अस्पष्टता....462
को साबित करने वाला दस्तावेजी साक्ष्य....479
हक की शंका
कब हो सकेगी....235
'हकदार न होना'
का तात्पर्य....190
''हकदार हितग्राही''
का तात्पर्य....171
हकवाद
का खारिज किया जाना....489
हकशुफा
सम्बंधी अधिकार की घोषणा में आज्ञप्ति....426
हस्तक्षेप
तथ्य के एक ही निष्कर्ष में....50
द्वितीय अपील में....222
हस्तांतरण विलेख
का निष्पादन....308
हित प्रतिनिधि
के अंतर्गत कौन है....359
हितबद्ध व्यक्ति
न्यासी....421
हिन्दू समांशी से उत्पन्न संतान
संविदा के विनिर्दिष्ट पालन हेतु आबद्ध....256
हस्तक्षेप
कब्जा में....538

क्ष

क्षति
असम्यक अनुतोष के रूप में....61
के संग्रहण का मूल आधार....85
क्षतिपूर्ति
का उपचार....143
का तात्पर्य....320

क्षतिपूर्ति—क्रमशः
का अभिनिर्धारण 314
का निर्धारण..... 316
के अभिनिर्धारण सम्बंधी नियम..... 315
नाममात्र की..... 321
संविदा के अपालन की दशा में..... 338
संविदा भंग पर..... 317
क्षतिपूर्ति या विनिर्दिष्ट पालन
के अनुकल्पतः अनुतोष का प्रतिस्थापन..... 344
क्षेत्र एवं प्रयोज्यता
अधिनियम की धारा 13 की.....119
क्षेत्राधिकार
न्यायालय का 44
व्यादेश जारी करने का 522

ज्ञ

ज्ञान
का अभिप्राय 373